

ओ३म



ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WEST MIDLANDS

321 Rookery Road, Handsworth
Birmingham B21 9PR
Tel : 0121 359 7727
enquiries@arya-samaj.org
www.arya-samaj.org
Charity Registration Number : 1156785



What is Arya Samaj?

Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe.

It propagates the universal doctrines of humanity.

It is neither a religion nor a sect.

ARYAN VOICE

YEAR 43

07/2021-22

MONTHLY

July 2021

Dear Members and Friends

As per UK government plan, from 19th July 2021 all legal restrictions in relation to Covid-19 may be removed (subject to review). Hopefully we will be able to resume our normal services onwards. We will keep you updated on events at our Arya Samaj West Midlands via our communication channels.

Wednesday Sanskrit Learning via zoom – 8pm - 9pm
(Please see page 22 & 23 for more details)

Thursday Yoga Class via Zoom – 7pm – 8pm
(Please see page 22 & 23 for more details)

SUNDAY CONGREGATION (SATSANG)
11am 12.00pm - (Please see page 26 & 27 for more details)

321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.

Tel - 0121 359 7727

E-mail – enquiries@arya-samaj.org Website - www.arya-samaj.org

Charity registration number 1156785

facebook <https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

CONTENTS

10 Principles of Arya Samaj	3
Thou art our Light - By Mr Krishan Chopra	4
नये युग में आर्य समाज-2- आचार्य डॉ. उमेश यादव	6
Annual Report from the Board of Trustees presented by by Mrs. Brij Bala Duggal	11
Children's Corner – Vishnu Sharma and the Princes	15
News (पारिवारिक समाचार)	18
Emergency Funding for Tower	20
Members who pay donations by standing order	21
Services provided	22
Covid-19 Donation Page	24

**For General and Matrimonial Enquiries Please Ring
Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)
Monday to Friday between: - 2.30pm to 6.30pm,
Wednesday: - 11.00am to 1.00pm.
Bank Holidays – Closed - Tel. 0121 359 7727
E-mail- enquiries@arya-samaj.org**

10 Principles of Arya Samaj

- 1. God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.(At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rig Ved, Yajur Ved, Sam Ved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**
- 2. God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**
- 3. Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**
- 4. All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**
- 5. All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**
- 6. The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**
- 7. All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**
- 8. We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**
- 9. One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**
- 10. In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights**

Thou art our Light

By Mr Krishan Chopra

**Ni tvaamgne manurdadhe jyotirjanaaya shashavate I
didetha kanva ritjaata ukshito yum namasyanti
krishtayah II**

**नि त्वामग्ने मनुर्दधे ज्योतिर्जनाय शशस्वते । दिदेथा कन्व ऋतजाता
उक्षितो यं नमस्यंति कृष्टयः ॥ ऋग्वेद-१.३६.१९**

Rig Veda 1.36.19

Meaning in Text Order

Tvaam = to you

Agne = supreme guide

Manuh = thoughtful people

Niddhe = establish in their mind

Jyotih = light

Janaaya = for people

Shashvate = eternal

Dideth = knave = in the intellectual

Ritajaatah = exhibit by truth

Ukshitah = with the oblation of dedication

Yam = to whom

Namasyanti = worship

Krishtayah = by devotees.

Meaning

O embodiment of light! The light exhibits in the truthful minds of wise men who dedicate themselves to you for the sake of immortal soul: The worshippers salute your divine light.

Contemplation

O our guide Lord! As the performer of yajna (yajmaan) blazes the sacred fire though the churning of sticks and places the fire in the yajna kind with devotion, the same way wise men or thoughtful people adore you in their hearts. This fire already exists in the wood yet the performers of yajna continue to generate the flames. Although you are already present in the minds of us wise men there is still a need to exhibit you through meditation.

When you en-kindle in our soul then for the eternal soul you act like a divine light. Thereafter your divine light shows the path in the dense darkness and shows us the bright path.

O illuminator Lord! You exhibit though truth. So far our mind is not purified through truth when your entry in our mind is not possible. When our mind is indulged with untruth, it is impossible to think about meditation of God otherwise it is deceiving our soul. When you exhibit yourself in the mind of intellectual people and they offer their oblation through devotion only then is your splendour is worth seeing. Then you appear like the high flames of sacred fire of yajna. Then the devotees salute your glory.

O Lord! May that divine light exhibit in our minds, make us worthy of your grace, dispel darkness from our life. May we become thoughtful and place you in the altar of our mind.

नये युग में आर्य समाज-2

आचार्य डॉ. उमेश यादव

राजा की विशेषता-

१. राजा जो देश का जिम्मेवार स्वामी है, आज जैसे राष्ट्रपति आदि उसे सुशिक्षित, न्यायशील, प्रजा की सुरक्षक व राज्य का सुपोषक-पालक होना चाहिये ।
२. राजा स्वच्छन्द व स्वतंत्र न हो अपितु राज्य/राष्ट्र की प्रजा व संविधान से बंधा हो । वह मनमानी कर अन्याय करने वाला न हो ।
३. राजा का चुनाव विद्वान् करें । श्रेष्ठ चरित्रवान, सुशिक्षित, योग्य व सामर्थ्यवान वीरपुरुष गुण-कर्म-स्वाभाव से क्षत्रिय हो । सत्यवादी, ईमानदार आदि गुणों से भरा हो । राजा अथवा सभापति को वेदों में इन्द्र, वायु, यम, सूर्य, अग्नि, वरुण, चन्द्रमा और वित्तेश आदि नामों से विभूषित किया गया है । राष्ट्र को ऐश्वर्यशाली बनाने वाला इन्द्र, सबके लिये प्राणवत् प्रिय रहने वाला वायु, पक्षपातरहित न्यायप्रिय यम, न्याय, धर्म, विद्या के प्रकाश से अन्याय, अधर्म व अविद्या का नाशक सूर्य, दुष्टों को भष्म करने वाला अग्नि, दुष्टों को अनेकधा बाँधने वाला वरुण, श्रेष्ठों को आनन्द देने वाला चन्द्रमा और राष्ट्र-कोशों/खजानों को पूर्ण रखने वाला वित्तेश बनकर जो रहता है वही राष्ट्र का प्रधान होता है । इसे सदैव राज्यव्यवस्थागत राज्यसभाओं के अधीन होना चाहिये । सर्वथा स्वतंत्र राजा ही मनमानी कर अन्याय आदि दोषों को जन्म देता है । अनपढ़, कम शिक्षित, कम अनुभवी राजा राष्ट्र की हानि करेगा । अतः राज्य व्यवस्था में महर्षि दयानन्द ने वैदिक सिद्धान्तों की गरिमा में “त्रीणि सदाँसि” अर्थात्

तीन महत्त्वपूर्ण सभाओं की चर्चा की । १. विद्यार्य सभा, धर्मार्य सभा और राज्यार्य सभा । तीनों सभाओं के अधिकारी विद्वान्, सचरित्र, निष्ठावान्, सुशिक्षित, पक्षपातरहित और न्यायशील हों और सब एक-दूसरे से संवैधानिक तौर पर बन्धे हों ताकि कोई भी मनमानी न कर सके, सभी राज्य व प्रजा सुख का ही ध्यान में रखकर सारी समस्याओं का हल करें ।

४. सभासद् और सभापति के गुण- विद्यासभाधिकारी महाविद्वान् हों, धार्मिकविद्वान् धर्मसभाधिकारी हों, प्रशंसनीय सुशिक्षित धार्मिक पुरुषों को राज्याधिकारी मनोनित करें । इनमें सर्वोत्तम गुण-कर्म-स्वभाव वालो को सभापति बनाया जाये । सभा के सभासद् वे ही हों जो चारों वेदों के अनुसार दण्डनीति, न्यायविद्या, वार्त्ता (कृषि, पशुपालन और व्यापार) तथा ब्रह्मविद्या भी अच्छी तरह जाने । उन्हें जीतेन्द्रिय होना चाहिये और योगाभ्यासी भी ताकि वे सदा अपनी इन्द्रियों को वश में रखे जो सन्मार्ग व न्याय से कभी विचलित न हों ।

५. राष्ट्र के नियमों का निर्माण चरित्रवान् श्रेष्ठ विद्वानों द्वारा हो न कि बहुसम्मति से । इसका कारण स्पष्ट है कि बहुसम्मति में बाहुबल प्रदर्शन हो जाने का डर रहता है, भेड़चाल की स्थिति बन जाती है, फलतः शिष्ट व समुचित राष्ट्र नियम नहीं बन पाते । वर्त्तमान राजनीति में यही हो रहा है और होता आया है । दलगत पक्षपात से ऊँचे आदर्शयुक्त नियम नहीं बन पाते जिससे राष्ट्र व राष्ट्रगत प्रजा का समुचित विकास नहीं हो पाता है । अज्ञानी, मूर्ख, चरित्रहीन व कमजोर मन का व्यक्ति नियम-निर्माण में कहीं न रहे ।

६. राजा-प्रजा-राज्य सभा में परस्पर सम्बन्ध हो । सब एक दूसरे से कानूनन बन्धे हों । एकाधिकार किसी को न हो । राजा व राज्याधिकारी आदि समस्त मंत्री-मंडल निर्व्यसनी हों । कामी, क्रोधी, लोभी, घमण्डी, परिवारमोही न हों । निष्पक्ष राज्यहित में काम करने वाले हों । मृग आदि

का शिकारी, जुवारी, कुसंगी, बलात्कारी, अत्याचारी आदि कोई भी राज्याधिकारी न बने, न ही कोई इन अवगुणों वाला राजनेता हो । इन सब खामियों से ही राज्य में अराजकता फैलती है । नशेड़ी, चुगलखोर, वैरी, ईर्ष्या व असूया=दोषों में गुण और गुणों में दोष देखने-दिखाने वाला भी न हो ।

७. मंत्री-मंडल की व्यवस्था में ये छः गुण अवश्य हों-१. सन्धि- अन्य राष्ट्रों से मित्रता बनाना २. विग्रह- किसी राष्ट्र से आवश्यकतानुसार विरोध करना ३. स्थिति- समयानुसार चुप्प रहकर अपने राज्य व्यवस्था को समझधारी पूर्वक संभाले रखना ४. समुदय- अपने राष्ट्र के उदय काल अर्थात् अनुकूल समय हो तो शत्रु-देश पर आक्रमण करना, इसमें तब शत्रुदेश की कमजोरी पहचानना भी मंत्रीमंडल का काम है ५. गुप्ति- राजसेना, कोश आदि की रक्षा करना, इसी में गुप्तचर की व्यवस्था हो और ६. लब्धप्रशमन- जिन-जिन देशों पर विजय प्राप्त हो उनमें शांति-स्थापन और सब प्रकार के उपद्रवों से बचाना ।

८. इसी तरह राज का दूत चतुर, विद्वान् व वफादार होने के साथ दुश्मन से संधि और विग्रह की कला में प्रवीण हो , दण्डाधिकारी निष्पक्ष हों । राजा के अधीन कोश, सभा के अधीन सब कार्य और दूत के अधीन संधि और विग्रह का सम्यग् अधिकार हो ।

९. कर व्यवस्था की विशेषतायें-

क. सोने-चाँदी पर लाभ का ५०वाँ भाग ।

ख. चावल आदि अन्नों में से फसलानुसार ६ठा, ८वाँ और १२वाँ भाग पर यह ध्यान रहे कि कर लेने के बाद भी किसान के पास पर्याप्त धन हो ताकि किसान को खाने-पीने वा आवश्यकतापूर्ति में कठिनाई न हो । कर नियत भाग से अधिक न लिया जाये । राजा को जौंक, बछड़ा और भ्रमर की संज्ञा दी गयी अर्थात् जैसे जौंक खून चूसता है पर बहुत ही अल्प,

इससे जिसका खून चुसा गया उसकी जान नहीं जाती बल्कि उसके शरीर की शुद्धि होती है । बछड़ा दूध पीता है पर गौ माता सुरक्षित व प्रसन्न रहती है । अपने विशेष दूध से पालक परिवार का भी पोषण करती है । भ्रमर पुष्पों के रस चूस कर शहद बनाता है पर पुष्पों का नुकसान नहीं होता उल्टा पुष्प और युवावस्था में आकर खिल जाते हैं ठीक उसी प्रकार राजा प्रजा से न्यून से न्यून कर ले ताकि प्रजा जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने में पूर्णतया समर्थ होकर अपनी प्राप्ति से प्रसन्न रहे । समयानुसार कर की अनुपात में उतार-चढ़ाव राज-व्यवस्था में सम्भव है पर प्रजा-सुख की प्रधानता हो । उस राज में संस्कार आदि की उचित व्यवस्था हेतु योग्य आचार्य विद्वान् चरित्रवान् पुरोहित भी होने चाहिये ।

१०. शस्त्र सेना और दुर्ग- इसके लिये सभी प्रकार की सबल पर्याप्त योग्य सेनाओं की व्यवस्था हो । सेनायें दुश्मन पर सदा विजय प्राप्त करने का साहस रखने वाली होनी चाहिये । सभी प्रकार की आवश्यक नये-नये तकनीक के हथियार हों । सेना बल ऐसा हो जो सिंह की तरह पराक्रम , चीते की तरह गुप्तरूप हो शत्रुओं को पकड़ने वाला और समीप में आये बलवान शत्रुओं से चालाकी से खरगोश की तरह दूर भागे पर अनुकूल समय पाकर फिर उन्हें घेर कर पकड़ सकें । यहाँ पर छल भी एक नीति का रूप हो सकता है । पर मन में डर कभी न रखे । युद्ध काल में समर्पित या वीरगति को प्राप्त करने वाली सेनानी की पत्नी व परिवार की सुरक्षा, शिक्षा आदि के लिये पर्याप्त धन की व्यवस्था राजा/सरकार करे ।

समसामयिक उन्हें योग्य पुरस्कार देने की उचित व्यवस्था हो जिससे सेना और उनका परिवार प्रसन्नता, सम्मान और आनन्द की अनुभूति करें ।

११. राजा/सरकार नियमित, संयमित व धार्मिक (नतिकता के ऊँचे मूल्यों के अनुसार कार्य करने वाले) विद्वान् अग्निहोत्र, नित्योपासनादि कर्म से संस्कारित होकर ईश्वर भक्त हो । यथायोग्य धर्म का पोषक हो । शासन

में धर्मनिरपेक्षता न हो अपितु धर्म अर्थात् सत्य, न्याय, परोपकार, सेवा, प्यार और प्रजा सुख के लिये उचित कर्तव्य निभाने वाला राष्ट्र के प्रति निष्ठावान् सदा सामर्थ्यवान् हो । धर्म एक अनुशासनात्मक गुण है और उसके विना शासन अपूर्ण है ।

१२. न्याय के सभी प्रलकल्पों में न्यायार्थ योग्य न्यायपालिका हो । उपरोक्त चारित्रिक नैतिक गुणों वाला निष्पक्ष न्याय देने वाला विद्वान् न्यायाधीश हों ।

व्यभिचार, बलात्कार आदि में गुप्त रूप से जाँच हो न कि प्रकट साक्षी रूप । इससे सत्य न्याय होगा और गुप्त रूप से साक्ष देने वाला भी सुरक्षित होगा । एक ही दुष्कर्म के लिये जो जितना मान धन व ओहदा में बड़ा है उसे उतना ही बड़ा कड़ा दण्ड हो । कई बार सामान्य व्यक्ति अज्ञानता वश या किसी अन्य के प्रभाव से कोई गलती कर बैठता है तो इसमें यह देखा जाना उचित है कि इस पापमय कार्य में प्रबल रूप से किसका हाथ है, वही अधिक दंड का भागी हो । सभी विभागों में दण्ड व्यवस्था के “आधार संहिता और दण्ड नीति निरधारित हों जिसका पूर-पूरा पक्षपातरहित होकर पालन किया जाना चाहिये । किसी के साथ अन्याय न हो ।

१३. राजव्यवस्था में वालविवाह, बहुविवाह, शोषित विवाह का सर्वथा वर्जन हो । विना रजामन्दी का कोई विवाह न हो । व्यभिचारपूर्वक व बलात् किसी का विवाह न हो । सब विवाहित स्त्री-पुरुष परस्पर प्रसन्नचित व आनन्दित रहें, सुरक्षित व सुखी रहें ।

१४. राजा परमात्मा को अपना राजा माने और प्रजा को अपनी संतान ।

१५. राजा हमेशा परमेश्वर से प्रार्थना करे कि उसका राज सदा सुखी रहे । प्रजा का सुख ही राजा का सुख हो । राजा सदा विचार करे कि उसके हाथ में सदैव सत्य न्याय की ही प्रवृत्ति बनी रहे ।

**ANNUAL REPORT FROM THE BOARD OF TRUSTEES OF
ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WEST MIDLANDS FOR THE
PERIOD FROM 1ST APRIL 2019 TO 31ST MARCH 2020
PRESENTED BY MRS. BRIJ BALA DUGGAL (SECRETARY).**

Following the last AGM (28th July 2019) Dr. Narendra Kumar and all the Trustees have been busy fulfilling their duties towards the smooth functioning of Arya Samaj. This has involved regular Havans and activities as well as meetings to plan and organise events. The building work is ongoing and issues related thereto have been complicated.

The Tower part of the building was not assessed during the structural survey. We now find that it is unstable and poses a safety risk to the public if not demolished or reconfigured. For this work we need to raise £40,000 to £50,000. An appeal has been made to members as no funding is available from any other source for this urgent work. We will also need to get an approval from Birmingham City Council Planning Department. Members have been supportive and generous. We are pleased to report that many members have now completed Standing Orders through their Banks to support Arya Samaj with regular monthly/yearly donations.

After acquiring the possession of the Women Help Centre part of our building, the Trustees decided to submit a planning permission application to Birmingham City Council for alterations to the building as well as 'Change of Use'. After a delay of several months, our application was finally approved and we instructed our Architect to prepare a work specification for that building to be turned in to two shops on the ground floor and offices on the first floor. Nuvo

Builders offering the best quote (£29,500) were appointed by February 2020.

Our final claim under 'Like for Like' for the amount £128,929.82 was submitted to HS2 in October 2019. They agreed to £97,025 and this was accepted by the Board of Trustees. We received £85,000 from them in February 2020 after they deducted their Legal fees.

Overview of the Year - The year so far has been good in finalising long standing matters as well as getting much of the outstanding work done. Generally things are looking positive and running smoothly. The Wednesday Day Centre activities and Thursday Yoga Classes are to continue. We decided to set –up Indian Classical Dance classes again and have been looking for a Teacher for these. We are sad to report that renting out halls has not been a success so far even though we have set-up brilliant facilities and offer very reasonable charges. We continue to have parking facilities from Rookery Road School. We are pleased to report that this year more members have been joining and also more families have been coming forward as Yajmans for Sunday Havans. Our Matrimonial services have suffered a decline but we are looking at ways of making improvements and changes according to the needs of our community.

Sponsored Yajmans - Total sponsored Yajmans for Sunday Havans in the year 2019 (Jan-Dec) were 34. This is a great improvement from last year and we hope the figures will continue to rise.

SANSKAR PERFORMED BY ACHARYA JI - Acharya Ji performed 41 Sanskars in the last year (April 2019-March 2020). This

compares well with last year's figures. Total income from these amounted to £4,980.00.

During the period from July 2019 to March 2020, we organised and held four major events. These are as follows:

Independence Day of India - The 73rd year of Independence was celebrated by ASWM on 18/08/2019 and attended by more than 150 people. The event was sponsored by Mr. & Mrs. J.P.Sethi. Filming Crew from Astha TV Channel recorded this event and it was later televised. Members were also celebrating the recent victory of Indian Government removing article 370 and 35A from its Constitution.

Gaytri Maha Yajna - This important event of the year was celebrated on 1st September 2019. Three sittings, with four Havan Kunds, were participated by most of our members. Donations amounted to £2,000.00.

Diwali and Nirvana Divas - We celebrated Diwali on 26th October 2019. This event was sponsored by Dr. Bijay Singh and Rajul. Attended by approximately 150 people, the programme included Sandhya Havan, lighting of lamps and entertainment.

Republic Day of India - We celebrated the 71st Republic Day of India on 26th January 2020 in the presence of 100 people and our Chief Guest of Honour Mr. Aman Puri (CGI). The usual procedure of Sandhya Havan, Flag hoisting followed by motivational speeches. This year young people from our community participated by playing violins, singing and dancing as well as reciting poetry and making speeches. Hot meals with deserts were served at all of these events.

During February 2020 cases of Covid-19 - were rising rapidly across the country and by 25th March 2020 the Government imposed a National 'Lockdown'. Everything came to halt for the next few months. We had plans to celebrate Arya Samaj Foundation Day on the 12th April 2020. This would have also been the second anniversary of our Bhavan (Building). A procession for the 11th April was also planned but with the Pandemic taking its toll, strict restrictions were in place and all events had to be cancelled.

Acharya Ji continued to perform Havans on Sundays with his family members. Havans on Sundays

Were later shared by video via Zoom and will continue in this way until it is safe for people to attend large gatherings. We will also be conducting our Board of Trustees' Meetings via Zoom until then.

On behalf of the Trustees I would like to thank Acharya Ji and Vijay Kumar for their role in continuing to perform Havans and for setting up Zoom to enable members to participate from the safety of their homes. I would also like to thank Raji Chauhan (Office Manager) for her role and commitment. The last few months have been very difficult for all and it seems there is no end to the Pandemic as yet. Let us all pray for this ghastly pandemic to end.

Lastly, but most importantly, on behalf of the Board of Trustees, I would like to thank all our members for their continued support and commitment to ASWM. It is with your support that we continue to do the valuable work started by our Founder Maharishi Dayanand Saraswati. Let us all work together to enhance the work of Arya Samaj and remove ignorance from the World.

Children's Corner

Vishnu Sharma and the Princes

Dear children,

We hope you all enjoy the stories from “Panchatantra Collection”. Today we are going to tell you the history of these tales.

Long ago, there lived a King named Amarshakti. He ruled over a kingdom called Mahilaropyam. He had three sons who were lazy and dull. Amarshakti was sad and displeased as his sons showed no interest in acquiring any knowledge.

One fine day, the King called his ministers and advisors and said, “I want to discuss something important about the future of our kingdom. My sons seem disinterested in learning. How will they rule the kingdom when the time comes? How do I convince them to take interest in gaining knowledge? I would like your advice on the matter before they bring dishonour to me.”

The ministers discussed the matter amongst themselves for a while. An Advisor came forward and said, “Your Majesty, I know a wise teacher called Pandit Vishnu Sharma. His ability to teach stubborn students is well known in the kingdom. If you permit, I can call him to court.”

The King asked the Advisor to bring the teacher to his palace. The King welcomed Vishnu Sharma to his court and said, “O wise guru, I heard you are one of the wisest and most intellectual teachers in my kingdom! I want you to teach my children and impart knowledge to their fickle minds. I will pay you handsomely if you succeed in making them well-learned individuals.”

Pandit Sharma replied calmly. “Your Majesty, the art of learning cannot be purchased. I will teach your children every day, but I do not need any gifts in return. Let them accompany me for six months; after they return, they will be learned intellectuals.”

The King happily agreed and sent his sons with Vishnu Sharma. The King’s sons started living with Vishnu Sharma and sought lessons from him. He gave his teachings in the form of stories that were later compiled together to form the Panchatantra.

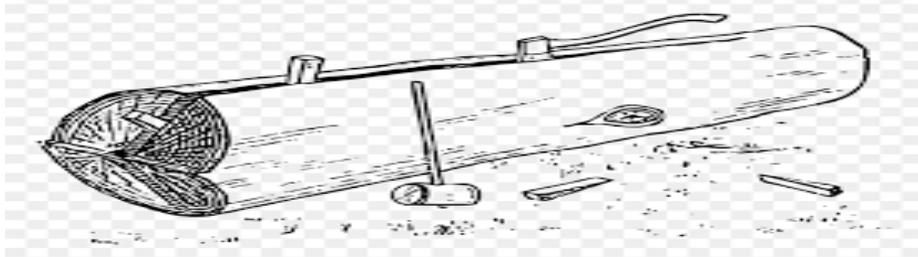
We have chosen a short story today the moral to which is: “Don’t meddle in other people’s affairs”

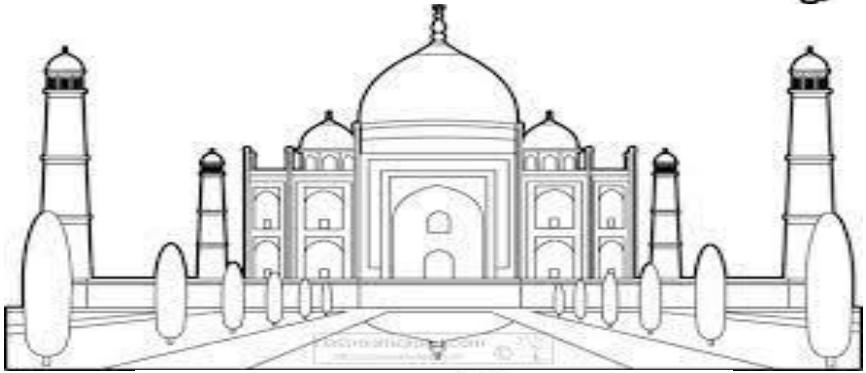
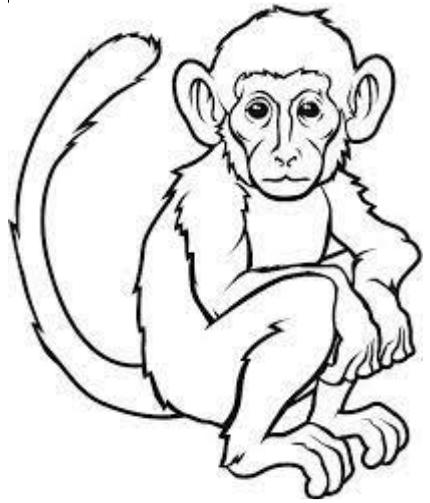
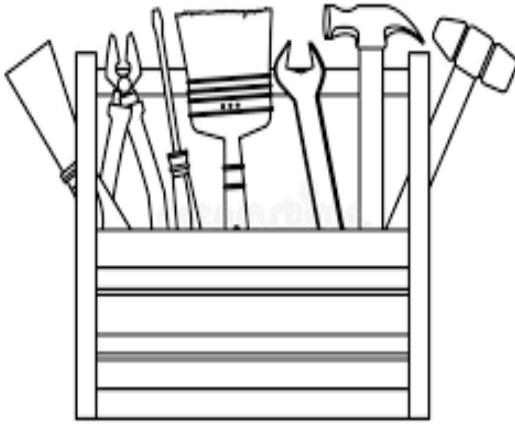
The Monkey and Wedge

A long time ago, a merchant hired several carpenters and masons to build a temple. One day, a group of monkeys arrived at the site and watched the carpenters work. They started playing with the tools once the carpenters left for lunch.

A carpenter had left a huge log of wood at the construction site. The log was half-split with a wedge in between to prevent it from closing up. One of the monkeys was looking at it very intently. “What is this thing? Looks interesting” thought the monkey.

The monkey grabbed the wedge and started to pull it. The wedge came out and the log closed in. The monkey got stuck between the half-split log and was seriously injured.





News

Please note

Car Parking for members on Sunday Congregation can safely park their cars on Rookery Road where there is SINGLE YELLOW LINE.

Condolence:

- Mrs Pamela & Mr. Sammy Vatta and family – for loss of her beloved father Mr. Ram Sarup Kohli (97) life member of Arya Samaj West Midlands. He left the mortal body on 3rd June 2021. We Pray to Almighty God to grant his soul eternal peace and give strength to his family members & relatives to bear his loss.

Congratulations:

- Dr Rakesh & Dr Rekha Mudgal and family - for Wedding ceremony of their daughter Khyati with Jamie was performed on Saturday 5th June 2021. Wishing them a happy married life.

Havan:

- Mrs Prakash Dhanda & family – for Havan on 3rd June 2021 for the 1st death anniversary of her beloved husband father Mr Balbir Sagar Dhanda. May god grant him eternal peace.
- Mr & Mrs Joginder Singh Kaliravna and family - for celebrating Grih Pravesh (house warming). Wishing them happiness in their new home.
- Dr Shashank Singh Vikram (CGI Birmingham) & Dr Megha Singh and family - for Havan on 6th June 2021 for happiness and good health.
- Mr & Mrs Diler Singh and family - for Havan on 14th June 2021 for happiness and good health for their family.

Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services:

- Dr Rakesh Mudgal £400
- Mr Shammy Vatta £150
- Mrs Prakash Dhanda £101
- Mr Joginder Singh Kaliravna £101
- Dr Shashank Singh Vikram £101
- Mr Diler Singh £51

Donations:

- Mr. Ram Sarup Kohli (left donation in his will) £250
- Mr Shammy Vatta £150
- Mr JP Sethi (repainting for Yajna Shala) £101
- Dr PD Gupta (repainting for Yajna Shala) £51
- Mr Vijay Kumar (repainting for Yajna Shala) £51
- Dr PD Gupta £21
- Mrs Vibha Cale £20
- Dr Roshan Doug £12
- Ms Chru Malhotra £10

Thank you for all your donations
we are very grateful!

**If you are fully vaccinated and not having any
symptom of Covid-19,
We request you to start attending Sunday
Congregation.
Every Sunday 11 am – 12pm
Thank You.**

EMERGENCY FUNDING FOR TOWER

Name	Amount
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£2000
Mr Joginder Pal and Mrs Santosh Sethi	£1100
Dr Umesh Kathuria & Dr Subash Kathuria	£1001
Dr & Mrs Shail Agarwal	£1000
Mrs S Bhandari	£1000
Mr Ved Parkash Rawal	£1000
Dr Vijay and Mrs Archana Bathla	£1000
Dr Narendra Patel	£501
Mrs Rama Joshi	£500
Dr Anil and Mrs Urvind Kohli	£1000
Mr Swaraj and Vijay Kumar	£301
Anonymous	£201
Dr Satya Vrat Sharma	£200
Mr Vinod Gulati	£200
Mrs Usha Khosla	£151
Mrs Suraksh Soni	£125
Dr Smita Mehra	£101
Dr Chetan Varma	£101
Mr Krishan Khurana	£101
Ms Anita Rastogi	£101
Mr Raj Joye	£101
Mr Ashok Panday	£101
Mr Parimal Somani	£101
Mrs Nirmal Prinja	£100
Mr Ashok & Mrs Sunita Bakshi	£100

Members who pay donations by standing order

Name	Amount	Payment
Dr Saroj Adlakha	£1000	One off
Mrs Kanti Bajaj and Family	£250	Yearly
Mr Surinder Julka	£101	One off
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£81	Yearly
Mr Pramon Puttyah	£50	One off
Mr Ved Prakash Rawal	£50	One off
Dr Satyavrat Sharma	£40	One off
Dr P.D. Gupta	£51	Monthly
Dr Chetan Varma	£30	Monthly
Dr & Mrs Kiran Selvaratnam	£25	Monthly
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£20	Monthly
Mr Varinder Bahal	£15	Monthly
Mrs Nirmal Prinja	£15	Monthly
Dr Umesh Kathuria & Dr Subash Kathuria	£15	Monthly
Miss Anurag Agarwal	£12	Monthly
Mr Madan Mohan Sharma	£10	Monthly
Mr Ravinder Renukunta	£10	Monthly
Mrs Sushma Grover	£10	Monthly
Dr Ved Budhraj	£10	Monthly
Mr Medharthee Rathore Arya	£10	Monthly
Dr M D Agarwal	£10	Monthly
Mr Anand Vrat & Mrs Renuka Chandan	£10	Monthly
Mr Rajive Bali	£10	Monthly
Mr P Puttyah	£10	Monthly
Mr Joginder Pal Sethi	£10	Monthly
Mr Ram Sarup Kohli	£10	Monthly
Mr Krishan Chand Talwar	£10	Monthly
Mr Swaraj Kumar & Mrs Vijay Luxmi	£8.50	Monthly
Mr Vipul Mistry	£5.25	Monthly
Mr Amit Khanna	£5.00	Monthly

Services Provided & Fee

Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on 0121 359 7727 for more information -

(Follow government guideline for Covid-19 we can still provide the following services)

- **Marriage Ceremony performed by our priest - £400.**
- **Havan performed at home by our priest –**
 - **Birmingham and Surrounding Areas - £51**
 - **12 Miles Outside of Birmingham - £101**
- **Cremation & Shanti Havan performed by our priest –**
 - **Birmingham and Surrounding Areas - £150**
 - **12 Miles Outside of Birmingham - £200**
 - **Shanti Havan at Arya Samaj after cremation - £100**
- **Hire of our hall –**
 - **Maharshi Dayanand Hall - £500 for 4 hours & £100 hourly.**
 - **Swami Shraddhanand Hall - £400 for 4 hours & £50 hourly.**
- **Ordinary membership fee is £20 for 12 months.**
- **Renewal for ordinary members of ASWM will get reminder letter for their membership fee of £20 each year.**
- **Matrimonial Service - £90 for 12 months**
- **Member or non member wishing to be sponsor Yajman in the Sunday congregation at Arya Samaj. Please call us for the rules you will have to follow if having at our Bhavan or you can do via zoom and invite family and friends to watch from the comfort of their homes.**

Weekly services Zoom details (please share with family & friends) –

Wednesday Sanskrit Learning

Time: 08:00pm London

Every week from Wednesday 7th July 2021, until December 29th 2021. New ID will be sent out in January 2022

Join Zoom Meeting

<https://zoom.us/j/93170438535?pwd=K2hKYjZLK213TjA1SW5XVWI0UE5aQT09>

Meeting ID: 931 7043 8535

Passcode: Vedic1

Thursday Yoga Class

Time: 07:00pm London

**Every week from Thursday 1st July 2021, until December 30th, 2021.
New ID will be sent out in January 2022**

Join Zoom Meeting

<https://zoom.us/j/94957463639?pwd=NWlvZ1ZPem9VUU10TVYxcEQ5M01RZz09>

Meeting ID: 949 5746 3639

Passcode: Vedic1

Sunday Havan and Satsang

Time: 11:00am London

**Every week from Sunday 4th July 2021, until December 26th, 2021.
New ID will be sent out in January 2022**

Join Zoom Meeting

<https://zoom.us/j/97053328835?pwd=NHpmWFNwSzFIUXJiUms4dU5SNIMwUT09>

Meeting ID: 970 5332 8835

Passcode: Vedic1

If you would like the zoom links sent to your mobile or email please email us on enquiries@arya-samaj.org. We will need your email address or mobile number and we can add you to the list.

Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.

0121 359 7727

COVID-19 DONATIONS PAGE

Dear Members and friends,

Please donate to Arya Samaj West Midlands. No matter how small every donation will be highly appreciated.

You can donate –

1. Montly by Standing order
(Please request form from office)

2. By Cash or Cheque
Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands
321 Rookery Road
Handsworth
Birmingham
B21 9PR

3. Transfer
The Co-operative Bank
Name of account of - Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands
Account number- 65839135,
Sort Code- 08.92.99.

The money donated by you will help our present and future generations.

**If you are fully vaccinated and not having any
symptom of Covid-19,
We request you to start attending Sunday
Congregation.
Every Sunday 11 am – 12pm**

